



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 249]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अप्रैल 24, 2009/वैशाख 4, 1931

No. 249]

NEW DELHI, FRIDAY, APRIL 24, 2009/VAISAKHA 4, 1931

रक्षोपाय, सीमाशुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क महानिदेशालय
अधिसूचना

नई दिल्ली, 24 अप्रैल, 2009

विषय : अनकोटेड पेपर तथा कॉपी पेपर के आयातों के बारे में रक्षोपाय जाँच—प्रारंभिक जाँच परिणाम।

सा.का.नि. 286(अ).—सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमाशुल्क टैरिफ (रक्षोपाय शुल्क का अभिज्ञान एवं निर्धारण) नियम, 1997 को ध्यान में रखते हुए

1. प्रक्रिया

i. भारत में अनकोटेड पेपर तथा कॉपी पेपर के आयातों के बारे में रक्षोपाय जाँच की शुरुआत की सूचना 20 अप्रैल, 2009 को जारी की गई थी और उसी दिन भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया था। सूचना की एक प्रति समस्त ज्ञात हितबद्ध पार्टियों को भी निम्नानुसार भेजी गई थी :—

घरेलू उत्पादक एसोसिएशन

I. इंडियन पेपर मैन्यू एसोसिएशन

पीएचडी हाउस (चौथा तल)

4/2 सीरी इन्स्टिट्यूशनल एरिया

(एशियन गेम्स विलेज के सामने)

नई दिल्ली-110016

घरेलू उत्पादक

i. बल्लारपुर इंड. लि.

फर्स्ट इंडिया प्लेस, टॉवर सी,

मेहरौली गुडगाँव रोड,

गुडगाँव (हरियाणा)-122001

दूरभाष : +91-124-2804242/43

फैक्स : +91-124-2389495

ii. जेके पेपर लि.

नेहरू हाउस, 4 बहादुर शाह जफर मार्ग,

नई दिल्ली-110 002

दूरभाष : +91-011-43584137

फैक्स: +91-011-23712680

- iii. आईटीसी लि.
106, सरदार पटेल रोड
सिकंदराबाद- 500003,
आंध्र प्रदेश
दूरभाष: +91-040-27846566-73
फैक्स: +91-040-27810257
- iv. मै. ऑफ्र पेपर्स लि.
501-509, स्वप्नलोक कॉम्प्लैक्स
92/93, सरोजिनी देवी रोड
सिकंदराबाद-500 003
- v. मै. तमिलनाडु न्यूजप्रिंट एंड पेपर्स लि.
67, माउंट रोड,
गुड्डुडी,
चेन्नई-600 032
ई-मेल: response@tnpl.co.in
- vi. अभिषेक इंडस्ट्रीज लि.
ई 212, किचलु नगर
लुधियाना – 141 001,
पंजाब
- vii. सेंचुरी पल्प एंड पेपर,
घनश्यामधाम, पो.ऑ. लालकुआँ – 262 402.
जिला नैनीताल,
उत्तरांचल
- viii. इमामी पेपर मिल्स लि.
687 आनंदपुर ईएम बायपास,
कोलकाता – 700 107.
- ix. हिन्दुस्तान पेपर कार्पो. लि.
75-सी, पार्क स्ट्रीट,
कोलकाता – 700 016.
- x. खन्ना पेपर मिल्स लि.
फतेहगढ़ रोड,
अमृतसर – 143 001.
- xi. मैसूर पेपर मिल्स लि.

16/4 अली अस्कर रोड
पो. बॉ. नं. 112,
बंगलौर - 560 052.

- xii. ओरिएण्ट पेपर एंड इंडस्ट्रीज लि.
बिरला बिल्डिंग
9/1, आर. एन. मुखर्जी रोड
कोलकाता - 700 001.
- xiii. पद्मजी पल्प एंड पेपर मिल्स लि.
जटिया चैम्बर्स
60, डॉ. वी बी गाँधी मार्ग
मुम्बई - 400 023.
- xiv. रामा न्यूजप्रिंट एंड पेपर्स लि.
31, चौरांघी रोड
कोलकाता - 700 016.
- xv. शेषसायी पेपर एंड पेपर बोर्ड लि.
कावेरी आरएसपीओ
इरोड - 638 007.
तमिलनाडु
- xvi. श्रीपुर पेपर मिल्स लि.
यूको बैंक बिल्डिंग (तीसरा तल)
पार्लियामेंट स्ट्रीट
नई दिल्ली - 110 001.
- xvii. स्टार पेपर मिल्स लि.
सेठ बलदेवदास बैजोरिया रोड,
सहारनपुर,
उत्तर प्रदेश - 247 001.
- xviii. वेस्ट कोस्ट पेपर मिल्स लि.
31, चौरांघी रोड
कोलकाता - 700 016.
- xix. यश पेपर मिल्स लि.
पो. ऑ.- दर्शननगर
जिला- फैजाबाद - 224 135
उत्तर प्रदेश

आयातक तथा प्रयोक्ता

- I. चिमनलाल फीन पेपर प्रा. लि.
40/42, बॉम्बे म्युचुअल बिल्डिंग
293, डॉ. डी. एन. रोड, मुम्बई
- II. इनफिनिटी इंड. प्रा. लि.
हारून हाउस, प्रथम तल
294, पारीन नरीमन स्ट्रीट
आरबीआई के सामने, मुम्बई

पेपर प्लस टेक्नोलॉजीज (प्रा.) लि.
एसएन 592/2/11, हण्डेवाली रोड,
भोसला फार्म, देवाची उरली,
पुणे
- III. अक्षय इम्पैक्स
7, निनिगप्पा नैकन स्ट्रीट,
दूसरा तल,
चेन्नई - 600003,
तमिलनाडु
- IV. अमित इम्पैक्स : नया नं. 17,
पुराना नं. 9, नारायण मुदाली लेन
चेन्नई - 600079
- V. पेपर्स वर्ल्ड वाइड (इ.) सर्विसेज प्रा. लि.
18, सदुल्लाह स्ट्रीट, फ्लैट ए,
प्रभु अपार्टमेंट्स,
टी. नगर, चेन्नई
तमिलनाडु - 600017
- VI. अजंता ऑफसेट एंड पैकेजिंग लि.
प्लॉट सं. 61, सेक्टर 27- सी,
फरीदाबाद, हरियाणा - 121003
- VII. एरो एक्सपोटर्स
प्लॉट नं. 183, सेक्टर IV,
मानेसर, गुडगाँव, हरियाणा
एक-80, खानपुर एक्स.
दिल्ली ।

VIII. रेप्रो इंडिया लि.

ए-50/2, टीटीसी इंड. एरिया
एमआईडीसी महापा,
नई बम्बई - 400709

IX. प्रिंटहाउस (इंड.) प्रा. लि.

6, दत्ता मंदिर रोड
भंडुप (प.), मुम्बई

निर्यातक एवं विदेशी उत्पादक

I. एप्रिल फाइन पेपर ट्रेडिंग
जापान तेलुक बेतुंग सं. 31,
जकार्ता, इंडोनेशिया

II. एडवांस एग्रो
187/3 मू 1,
बंगना- ट्रेड 42 कि. मी. रोड,
बंगउआ जिला,,
एम्फर बंगपाकॉग,
चचोएंगसाओ, 24180
थाइलैंड

III. स्टोरा एन्सो ओइज पो. बॉ. 309,
एफआई-00101 हेलसिंकी,
फिनलैंड, दूरभाष- +358 2046 131,
फैक्स. +358 2046 21471

IV. सिनार मैस ग्रुप- एपीपी चीन
सिनार -मैस पेपर (चीन) इन्वेस्टमेंट कं. लि.
8-9 एफ, बंड सेंटर, सं. 222,
ईस्ट यान एन रोड,
शंघाई, 2000002

V. गोल्ड ईस्ट ट्रेडिंग (हॉगकाँग) कं. लि.,
यूनिट 501-504ए,
एम्पायर सेंटर 68 मोदी रोड,
टी सिमशाशुई ईस्ट
हॉगकाँग

- VI. कोआ कं. लि.
6-29 निशिकी 3- चोने नाका- कु नगोया,
जापान
- VII. वायटल सोल्यूशंस प्रा. लि.
सिंगापुर 069532
- VIII. दाई पेपर (दक्षिण एशिया) प्रा. लि.,
3. शेन्टॉन वे, # 11-08,
शेन्टॉन हाउस सिंगापुर
- IX. सेलमार्क एशिया प्रा. लि.
47 स्कॉट्स रोड
12-01 गोल्डबेल टॉवर्स
सिंगापुर
- X. इंटरनेशनल पेपर
6400 पॉपलार एवेन्यू,
मेमफिस 38197,
यूएसए
- XI. वेस्ट वैको
11013 वेस्ट ब्रॉड स्ट्रीट,
ग्लेज एलेन, वर्जीनिया 23060,
यूएसए
- XII. एम-रियल कॉर्पोरेशन,
पी. ओ. बॉक्स 20,
मेत्सा 02020,
फिनलैंड

ii. सूचना की एक प्रति नई दिल्ली स्थित उनके दूतावासों के जरिए संबद्ध देशों की सरकारों को भी भेजी गई थी ।

iii. प्रश्नावलियाँ समस्त ज्ञात घरेलू उत्पादकों, निर्यातकों और आयातकों को भी उसी दिन भेजी गई थी और उनसे 30 दिन के भीतर अपने उत्तर प्रस्तुत करने के लिए कहा गया था ।

iv. आवेदन, उत्तर और अतिरिक्त अनुरोधों के समस्त अगोपनीय रूपांतरण सार्वजनिक फोल्डर में रखे गए हैं ।

2. घरेलू उद्योग के विचार

- i. यह आवेदन इंडियन पेपर मैन्यू, एसोसिएशन द्वारा (1) आईटीसी लि., (2) बल्लारपुर इंड. लि., (3) जे. के. पेपर लि., (4) आंध्रा पेपर मिल्स लि. (5) मै. तमिलनाडु न्यूज प्रिंट एंड पेपर्स लि. (6) अभिषेक इंड. लि. (7) सेंचुरी पल्प एंड पेपर (8) इमामी पेपर मिल्स लि. (9) हिन्दुस्तान पेपर कार्पो. लि. (10) खन्ना पेपर मिल्स लि. (11) मैसूर पेपर मिल्स लि. (12) ओरिएण्ट पेपर एण्ड इंड. लि. (13) पदम जी पल्प एंड पेपर मिल्स लि. (14) रामा न्यूजप्रिंट एंड पेपर्स लि. (15) फेस साई पेपर एंड पेपर बुड लि. (16) शिरपुर पेपर मिल्स लि. (17) स्टार पेपर मिल्स लि. (18) द वेस्ट पोस्ट पेपर मिल्स लि. और (19) यश पेपर मिल्स लि. की ओर से भारत में विशुद्ध रासायनिक लुग्दी से मुख्यतः निर्मित अनकोटेड पेपर तथा कॉपी पेपर के आयातों पर रक्षोपाय शुल्क लगाने के लिए दायर किया गया है ताकि भारत में हुए विशुद्ध रासायनिक लुग्दी से मुख्यतः निर्मित अनकोटेड पेपर तथा कॉपी पेपर के संवर्धित आयातों के कारण गंभीर क्षति के खतरे से घरेलू उत्पादकों की सुरक्षा की जा सके। आवेदकों ने निम्नलिखित प्रमुख मुद्दे उठाए हैं।
- ii. आवेदकों ने आरोप लगाया है कि भारत में अनकोटेड पेपर तथा कॉपी पेपर के संवर्धित आयातों की प्रवृत्ति से घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति का खतरा उत्पन्न हो गया है।
- iii. घरेलू उद्योग मुख्यतः अध्याय शीर्ष 4802 के विभिन्न शीर्षों के अंतर्गत आने वाले विशुद्ध रासायनिक लुग्दी से मुख्यतः निर्मित अनकोटेड पेपर तथा कॉपी पेपर का विनिर्माण करता है। घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि उनके उत्पाद एचएसएन तथा सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के शीर्ष 4802 54 90, 4802 55 10, 4802 55 20, 4802 55 30, 4802 55 40, 4802 55 50, 4802 55 90, 4802 56 10, 4802 56 20, 4802 56 30, 4802 56 40, 4802 56 50, 4802 56 90, 4802 57 10, 4802 57 20, 4802 57 30, 4802 57 40, 4802 57 50, 4802 57 90, 4802 58 10, 4802 58 20, 4802 58 30, 4802 58 40, और 4802 58 90 के अंतर्गत आने वाले आयातित उत्पाद के साथ सीधी प्रतिस्पर्धा करते हैं। आवेदकों ने आरोप लगाया है कि भारत में विशुद्ध रासायनिक लुग्दी से मुख्यतः निर्मित अनकोटेड पेपर और जो 8-अंकीय स्तर पर उपर्युक्त शीर्षों के अंतर्गत आता है, के संवर्धित आयातों द्वारा घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति का खतरा उत्पन्न हो गया है।
- iv. पेपरों का निर्माण रासायनिक या यांत्रिक प्रक्रिया अथवा इन दोनों के संयोजन से प्राप्त लुग्दी से किया जाता है। इसके अलावा, लुग्दी नए पौध स्रोतों अथवा पुनर्वर्धित पेपर्स के उपयोग से प्राप्त की जा सकती है। वर्तमान आवेदन में रासायनिक प्रक्रिया के उपयोग से विशुद्ध रासायनिक लुग्दी से मुख्यतः निर्मित अनकोटेड पेपर शामिल है। घरेलू उद्योग ने तर्क दिया है कि 8-अंकीय स्तर पर उपर्युक्त शीर्षों के अंतर्गत आने वाले उत्पाद तकनीकी विशेषताओं, रासायनिक संरचना तथा अन्य मूलभूत विशेषताओं के रूप में एक समान है। इन सभी शीर्षों के उत्पादों का एक समान उपयोग होता है। अतः ये उत्पाद समान हैं और उत्पादों से सीधे प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। गुणवत्ता के संबंध में संभावित छिटपुट अंतरों के बावजूद इन उत्पादों में समान मूलभूत भौतिक विशेषताएँ हैं और इनके समान अंतिम उपयोग हैं। इनकी बिक्री एक समान या समनुरूप बिक्री माध्यमों के जरिए की जाती है। ये उत्पाद मुख्यतः कीमत के संबंध में प्रतिस्पर्धा करते हैं। केवल एक 8-अंकीय स्तर पर शीर्ष के अंतर्गत रक्षोपाय शुल्क लगाए जाने से कोई प्रयोजन सिद्ध नहीं होगा क्योंकि आयातक अन्य प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धी उत्पादों का आयात शुरू कर देंगे। इस प्रकार, घरेलू उद्योग ने तर्क दिया है कि उपर्युक्त के मद्देनजर रक्षोपाय जांच के प्रयोजनार्थ उपर्युक्त उत्पादों वाले उत्पाद क्षेत्र पर “ विचाराधीन उत्पाद ” के रूप में विचार किए जाने की जरूरत है।

- v. उन्होंने आरोप लगाया है कि आयात कम कीमत पर हो रहे हैं जिससे उन्होंने अपना बाजार हिस्सा गँवाया है।
- vi. कम कीमतों पर आयातों में वृद्धि अप्रत्याशित घटनाक्रमों के कारण हुई है जैसाकि नीचे उल्लेख किया गया है।

निर्यातक देशों में माँग में गिरावट आने से इन देशों के विनिर्माता निर्यात में अत्यधिक छूट के जरिए अपने बेशी मालसूचियों से छुटकारा पाने के लिए बाध्य हुए हैं और यह ही आयात में अचानक वृद्धि का कारण है। प्रमुख प्रतिस्पर्धियों के पास संबंधित उत्पादन क्षमताओं की तुलना में काफी कम घरेलू माँग है। सुदूर पूर्व के पेपर उत्पादकों ने अनकोटेड पेपर तथा कॉपी पेपर की भारी क्षमता सृजित की है। इस क्षमता का अधिकाँश भाग विकसित देशों के लिए होता है। विकसित देशों में माँग में अचानक कमी आने से विकसित देशों के आयातकों ने इन देशों से पेपर की खरीद बंद कर दी है जिसके परिणामस्वरूप निर्यातक देशों की कंपनियों के पास भारी स्टॉक जमा हो गया है। परिणाम यह हुआ है कि इन इकाइयों के पास अनकोटेड पेपर तथा कॉपी पेपर का अत्यधिक स्टॉक बच गया है जिसे वे भारत को कम कीमत पर निर्यात करने की कोशिश कर रही हैं जो अभी भी उचित दर से बढ़ रहा है। परिणामतः उन्होंने अपने भारी स्टॉक से कार्यशील पूँजी जारी करने हेतु कम कीमत पर भारतीय बाजार में उत्पाद का निर्यात शुरू कर दिया है जिससे घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति का खतरा उत्पन्न हो रहा है।

- vii घरेलू उद्योग की लाभप्रदता तथा लगाई गई पूँजी पर आय में कमी आई है। जाँच अवधि के दौरान आयातों की पहुँच कीमत और घरेलू बिक्री कीमत के बीच अंतर में वृद्धि हुई है और गंभीर क्षति का खतरा उत्पन्न हो गया है।
- viii संवर्धित आयातों द्वारा गंभीर क्षति के वर्तमान खतरे के मद्देनजर उन्होंने गंभीर क्षति से अनकोटेड पेपर तथा कॉपी पेपर के घरेलू उत्पादकों की रक्षा करने के लिए रक्षोपाय शुल्क लगाने का अनुरोध किया है।
- ix उन्होंने आरोप लगाया है कि अप्रत्याशित घटनाक्रम से आयातों में वृद्धि हो रही है और आयातों में वृद्धि से गंभीर क्षति हुई है। ऐसा कोई कारण नहीं है जिससे घरेलू उद्योग को हुई गंभीर क्षति के खतरे की वजह मानी जा सके।
- x आवेदकों ने अनुरोध किया है कि अनकोटेड पेपर और कॉपी पेपर पर रक्षोपाय शुल्क लगाए जाने से सार्वजनिक हित को कोई नुकसान नहीं पहुँचेगा क्योंकि घरेलू अनकोटेड पेपर और कॉपी पेपर की कीमत भारत में कमोबेश स्थिर रहती है। इसके अलावा, आवेदकों ने अनुरोध किया है कि अपने कर्मचारियों को प्रत्यक्ष रोजगार देने के अलावा पेपर उद्योग किसानों को अपनी आजीविका कमाने में मदद करता है और वह मृदा संरक्षण में प्रासंगिक होता है। अतः पेपर उद्योग की सुरक्षा हेतु रक्षोपाय शुल्क लगाया जाना वस्तुतः सार्वजनिक हित में है।
- xi आवेदकों का प्रस्ताव कुशलता में सुधार करने और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धियों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए लागत मितव्ययिता लाने हेतु उचित कार्यनीति अपनाने का है।
- xii. उन्होंने आपात परिस्थितियों जिनमें ऐसी क्षति होगी जिसकी भरपाई करना कठिन होगा, के मद्देनजर अनंतिम रक्षोपाय शुल्क लगाने का भी अनुरोध किया है।

3. महानिदेशक के जांच परिणाम

- i. तुरंत रक्षोपाय शुल्क लगाने के मुद्दे की जांच की गई थी। यह पाया गया है कि 29.03.1995 और 12.11.2008 के बीच की अवधि के दौरान डब्ल्यूटीओ को कुल 168 रक्षोपाय संबंधी जांच शुरुआतों की सूचना दी गई है। यह पाया गया है कि इनमें से 15

मामलों में रक्षोपाय जांच की शुरुआत के 30 दिन के भीतर अनंतिम रक्षोपाय की सिफारिश की गई है/उन्हें लागू किया गया है। कुछ मामलों में जांच शुरुआत की तारीख को भी अनंतिम रक्षोपाय की सिफारिश की गई है। दिनांक 29.7.1997 की अधिसूचना सं. 35/1997-एनटी-सी.शु. के तहत जारी सीमाशुल्क टैरिफ (परिवर्ती उत्पाद विशिष्ट रक्षोपाय शुल्क) नियम, 1997 के नियम 9 में यह निर्धारित है कि महानिदेशक जांच की कार्यवाही तुरंत शुरू करेगा और निर्णायक परिस्थितियों में वह गंभीर क्षति या गंभीर क्षति के खतरे के बारे में प्रारंभिक जांच परिणाम दर्ज कर सकता है। जांच को शासित करने वाले सिद्धांत सीमाशुल्क टैरिफ (परिवर्ती उत्पाद विशिष्ट रक्षोपाय शुल्क) नियम, 2002 के नियम 6 में निर्धारित हैं जो नियम 9 से स्वतंत्र है। सीमाशुल्क टैरिफ (परिवर्ती उत्पाद विशिष्ट रक्षोपाय शुल्क) नियम, 2002 के नियम 15 में जांच संपन्न होने के बाद पहले से अधिरोपित और संग्रहीत अनंतिम शुल्क से कम रक्षोपाय शुल्क लगाए जाने के मामले में रक्षोपाय शुल्क में अंतर की वापसी का प्रावधान है। उक्त नियम के नियम 6, 9 और 15 के सुमेलित पाठन से यह निष्कर्ष निकलता है कि नियमों में प्रारंभिक जांच परिणामों के आधार पर अनंतिम रक्षोपाय शुल्क की तुरंत सिफारिश करने और इस बात की पुष्टि होने के बाद कि प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत का अनुपालन करते हुए नियम 6 के तहत जांच सम्पन्न होने के बाद लगाया गया शुल्क अनंतिम रक्षोपाय शुल्क से कम है तो उसके अंतर को वापस करने का प्रावधान है तथापि आपात परिस्थितियों में अनंतिम रक्षोपाय शुल्क लगाए जाने में होने वाले किसी विलंब से ऐसी क्षति हो सकती है जिसकी भरपाई करना कठिन होगा। यह विवेकपूर्ण माना गया था कि इन परिस्थितियों का विश्लेषण किया जाए ताकि यह निर्धारण किया जा सके कि क्या वे आपात परिस्थितियों की श्रेणी में आती हैं।

ii. विचाराधीन उत्पाद

क. आवेदकों ने आरोप लगाया है कि भारत में अनकोटेड पेपर तथा कॉपी पेपर के संवर्धित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति का खतरा उत्पन्न हो गया है। घरेलू उद्योग मुख्यतः अध्याय शीर्ष 4802 के विभिन्न शीर्षों के अंतर्गत आने वाले विशुद्ध रासायनिक लुग्दी से मुख्यतः निर्मित अनकोटेड पेपर तथा कॉपी पेपर का विनिर्माण करता है। घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि उनके उत्पाद एचएसएन तथा सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के शीर्ष 4802 54 90, 4802 55 10, 4802 55 20, 4802 55 30, 4802 5540, 4802 55 50, 4802 55 90, 4802 5610, 4802 5620, 4802 5630, 4802 5640, 4802 56 50, 4802 5690, 4802 57 10, 4802 57 20, 4802 57 30, 4802 5740, 4802 57 50, 4802 5790, 4802 58 10, 4802 58 20, 4802 58 30, 4802 58 40, और 4802 58 90 के अंतर्गत आने वाले आयातित उत्पाद के साथ सीधी प्रतिस्पर्धा करते हैं। आवेदकों ने आरोप लगाया है कि भारत में विशुद्ध रासायनिक लुग्दी से मुख्यतः निर्मित अनकोटेड पेपर और जो 8-अंकीय स्तर पर उपर्युक्त शीर्षों के अंतर्गत आता है, के संवर्धित आयातों द्वारा घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति का खतरा उत्पन्न हो गया है।

ख. पेपर्स का निर्माण रासायनिक या यांत्रिक प्रक्रिया अथवा इन दोनों के संयोजन से प्राप्त लुग्दी से किया जाता है। इसके अलावा, लुग्दी नए पौध स्रोतों अथवा पुनर्चक्रित पेपर्स के उपयोग से प्राप्त की जा सकती है। वर्तमान आवेदन में रासायनिक प्रक्रिया के उपयोग से विशुद्ध रासायनिक लुग्दी से मुख्यतः निर्मित अनकोटेड पेपर शामिल है। घरेलू उद्योग ने तर्क दिया है कि 8-अंकीय स्तर पर उपर्युक्त शीर्षों के अंतर्गत आने वाले उत्पाद तकनीकी विशेषताओं, रासायनिक संरचना तथा अन्य मूलभूत विशेषताओं के रूप में एक समान है। इन सभी शीर्षों के उत्पादों का एक समान उपयोग होता है। अतः ये

उत्पाद समान हैं और उत्पादों से सीधे प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। गुणवत्ता के संबंध में संभावित छिटपुट अंतरों के बावजूद इन उत्पादों में समान मूलभूत भौतिक विशेषताएँ हैं और इनके समान अंतिम उपयोग हैं। इनकी बिक्री एक समान या समनुरूप बिक्री माध्यमों के जरिए की जाती है। ये उत्पाद मुख्यतः कीमत के संबंध में प्रतिस्पर्धा करते हैं। केवल एक 8-अंकीय स्तर पर शीर्ष के अंतर्गत रक्षोपाय शुल्क लगाए जाने से कोई प्रयोजन सिद्ध नहीं होगा क्योंकि आयातक अन्य प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धी उत्पादों का आयात शुरू कर देंगे। इस प्रकार, घरेलू उद्योग ने तर्क दिया है कि उपर्युक्त के मद्देनजर रक्षोपाय जांच के प्रयोजनार्थ उपर्युक्त उत्पादों वाले उत्पाद क्षेत्र पर “विचाराधीन उत्पाद” के रूप में विचार किए जाने की जरूरत है।

ग. 8-अंकीय स्तर पर उपर्युक्त शीर्षों के अंतर्गत आने वाले उत्पाद तकनीकी विशेषताओं, रासायनिक संरचना तथा अन्य मूलभूत विशेषताओं के रूप में एक समान हैं। इन सभी शीर्षों के उत्पादों का एक समान उपयोग मुद्रण उद्योग में होता है। ये उत्पाद समान हैं और उत्पादों से सीधे प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। गुणवत्ता के संबंध में संभावित छिटपुट अंतरों के बावजूद इन उत्पादों में समान मूलभूत भौतिक विशेषताएँ हैं और इनके समान अंतिम उपयोग हैं। इनकी बिक्री एक समान या समनुरूप बिक्री माध्यमों के जरिए की जाती है। ये उत्पाद मुख्यतः कीमत के संबंध में प्रतिस्पर्धा करते हैं। केवल एक 8-अंकीय स्तर पर शीर्ष के अंतर्गत रक्षोपाय शुल्क लगाए जाने से कोई प्रयोजन सिद्ध नहीं होगा क्योंकि आयातक अन्य प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धी उत्पादों का आयात शुरू कर देंगे। घरेलू उद्योग संदर्भाधीन सभी उत्पादों का विनिर्माण करता है। उपर्युक्त के मद्देनजर रक्षोपाय जांच के प्रयोजनार्थ उपर्युक्त उत्पादों वाले उत्पाद क्षेत्र पर “विचाराधीन उत्पाद” के रूप में विचार किए जाने की जरूरत है।

iii. घरेलू उद्योग- यह आवेदन इंडियन पेपर मैनु. एसोसिएशन द्वारा घरेलू उत्पादकों की ओर से (1) आईटीसी लि., (2) बल्लारपुर इंड. लि., (3) जे. के. पेपर लि., (4) आंध्रा पेपर मिल्स लि. (5) मै. तमिलनाडु न्यूज प्रिंट एंड पेपर्स लि. (6) अभिषेक इंड. लि. (7) सेंचुरी पल्प एंड पेपर (8) इमामी पेपर मिल्स लि. (9) हिन्दुस्तान पेपर कार्पो. लि. (10) खन्ना पेपर मिल्स लि. (11) मैसूर पेपर मिल्स लि. (12) ओरिएण्ट पेपर एण्ड इंड. लि. (13) पदम जी पल्प एंड पेपर मिल्स लि. (14) रामा न्यूजप्रिंट एंड पेपर्स लि. (15) फेस साई पेपर एंड पेपर बुड लि. (16) शिरपुर पेपर मिल्स लि. (17) स्टार पेपर मिल्स लि. (18) द वेस्ट पोस्ट पेपर मिल्स लि. और (19) यश पेपर मिल्स लि. की ओर से भारत में विशुद्ध रासायनिक लुग्दी से मुख्यतः निर्मित अनकोटेड पेपर तथा कॉपी पेपर के आयातों पर रक्षोपाय शुल्क लगाने के लिए दायर किया गया है। आवेदन का भारत में विशुद्ध रासायनिक लुग्दी से मुख्यतः निर्मित अनकोटेड पेपर तथा कॉपी पेपर के 80% से अधिक उत्पादकों ने समर्थन किया है। तदनुसार, आवेदक सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 8ख की उप धारा (6) के खण्ड (ख) के अनुसार घरेलू उद्योग हैं।

iv. अप्रत्याशित घटनाक्रम : मौजूदा अप्रत्याशित तथा असंभावित आर्थिक सुस्ती और मंदी के परिणामस्वरूप कुछेक देश अपने सामान्य बाजारों को निर्यात में गिरावट, इन देशों में उत्पादन क्षमताओं की निष्क्रियता का सामना कर रहे हैं। इन देशों के निर्यातक भारतीय बाजार को कम कीमतों पर संवर्धित मात्रा में अपने उत्पादों का निर्यात कर रहे हैं जिनमें अभी भी वृद्धि हो रही है।

v. **संवर्धित आयात :** भारत में अनकोटेड तथा कॉपी पेपर का आयात इंडोनेशिया, स्वीडन, जर्मनी, फिनलैंड तथा कई अन्य देशों से किया जाता है। अनकोटेड पेपर तथा कॉपी पेपर के आयातों में समग्र रूप में और घरेलू बिक्री की तुलना में वृद्धि की प्रवृत्ति प्रदर्शित हुई है। जाँच अवधि के दौरान आयातों का हिस्सा निम्नानुसार रहा है :-

तालिका 1

	2006-07	2007-08	2008-09 (अप्रैल-दिसंबर 2008)	2008-09 (जन.-मार्च 09) (अनु.)
आयात (मी. टन)	11077.00	17016.00	13504.00	5631.00
मासिक आयात (मी. टन)	923.08	1,418.00	1,500.44	1,877.00
मासिक आयात (सूचीबद्ध)	100.00	153.62	162.55	203.34

इस प्रकार अनकोटेड तथा कॉपी पेपर के आयातों में समग्र रूप में और कुल घरेलू बाजार की तुलना में वृद्धि हुई है। इसके अलावा जनवरी, 2009 में आयातों में अचानक और तीव्र वृद्धि हुई है जिसमें कुल 1877 मी. टन का आयात किया गया है।

vi. **गंभीर क्षति का खतरा**

क. **बिक्री :** पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में वर्ष 2008-09 के दौरान जाँचाधीन उत्पाद की बिक्री में अचानक और तेजी से गिरावट आई है जैसाकि निम्नलिखित तालिका से स्पष्ट हो जाता है।

तालिका 2

कुल खपत में बाजार हिस्सा				
	2006-07	2007-08	2008-09 (अप्रैल- दिस. 2008)	2008-09 (जन.-मार्च 09) (अनु.)
आयात (%)	0.63	0.93	0.90	1.13
घरेलू बिक्री (%)	99.37	99.07	99.10	98.87

ख. **घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा :** वर्ष 2006-07 में घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा 99.37% था जो वर्ष 2007-08 में घटकर 99.07% हो गया। जनवरी, 2009 में 1877 मी. टन का आयात होने के कारण घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा 98.87% हो गया जबकि आयातों में समग्र रूप में और तुलनात्मक रूप में वृद्धि हुई। आयात कीमत तथा आयातों की वर्तमान प्रवृत्ति से घरेलू उत्पादकों को गंभीर क्षति होने का खतरा उत्पन्न हो गया है।

ग. **उत्पादन :** घरेलू बाजार में उपलब्ध कुल सामग्री में आयातों के हिस्से में वर्ष 2007-08 की तुलना में 2008-09 में हाल की अवधि में तेजी से वृद्धि हुई है। कुल उपलब्ध सामग्री का हिस्सा पूर्ववर्ती वर्ष के 0.89% की तुलना में बढ़कर 1.11% हो जाएगा।

तालिका: 3

कुल उपलब्ध सामग्री में हिस्सा				
	2006-07	2007-08	2008-09 (अप्रैल- दिस. 2008)	2008-09 (जन.-मार्च 09) (अनु.)
आयातों का हिस्सा (%)	0.63	0.93	0.89	1.11
घरेलू उत्पादन का हिस्सा (%)	99.37	99.07	99.11	98.89

घ. आयात कीमतों की प्रवृत्ति : जाँच अवधि के दौरान भारत को आयात की कीमत में तेजी से गिरावट आई है।

तालिका: 4

	भारत औसत सीआईएफ अम. डा./मी. टन
सित.-08	817
अक्तू.-08	814
नव.-08	768
दिस.-08	773
जन.-09	715
फरवरी 09	680

ड. लाभप्रदता एवं लगाई गई पूँजी पर आय : घरेलू उद्योग की लाभप्रदता तथा लगाई गई पूँजी पर आय (गोपनीय) में गिरावट आई है। जाँच अवधि के दौरान आयातों की पहुँच कीमत तथा घरेलू बिक्री कीमत में अंतर में वृद्धि हुई है।

च. उत्पादकता : प्रारंभिक जाँच से इस बात का कोई संकेत नहीं मिलता है कि क्षति उत्पादकता में गिरावट के कारण हुई है।

vii. संवर्धित आयात तथा गंभीर क्षति या गंभीर क्षति के खतरे के बीच कारणात्मक संबंध : - वर्ष 2006-07 से वित्त वर्ष 2008-09 तक की अवधि के लिए उपर्युक्त मापदण्डों के व्यापक मूल्यांकन से यह पता चलता है कि अनकोटेड पेपर तथा कॉपी पेपर के भारतीय उत्पादकों को गंभीर क्षति होने तथा अत्यधिक व्यवधान उत्पन्न होने का खतरा पैदा हो गया है। उपर्युक्त आंकड़ों से पता चलता है कि वर्ष 2007-08 की तुलना में 2008-09 के दौरान आयातों में समग्र रूप में वृद्धि हुई है और आयातों का हिस्सा बढ़ा है। जिस अवधि में आयात में वृद्धि हुई है, उस अवधि में घरेलू उद्योग को उसके हिस्से के रूप में और लगाई गई पूँजी पर आय के रूप में क्षति हुई है। अतः हाल की अवधि में आयात में वृद्धि हुई है जिसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति का खतरा पैदा हो गया है। पूर्ववर्ती वर्षों की तुलना में चालू वित्त वर्ष के दौरान लाभप्रदता में भारी गिरावट आई है और यह आयातों के हिस्से में अत्यधिक वृद्धि होने के कारण आई है। इससे स्पष्टतः कम कीमत पर हुए आयातों में वृद्धि तथा घरेलू उद्योग के समक्ष उत्पन्न गंभीर क्षति के बीच अत्यंत सह-संबंध की पुष्टि होती है। आयातों में वृद्धि होने से कीमतों पर दबाव और घरेलू उद्योग की बिक्री तथा लाभप्रदता के हिस्से में गिरावट के रूप में क्षतिकारी प्रभाव पड़ा है।

VII. समायोजन योजना - घरेलू उत्पादक ने लागत में कटौती हेतु विस्तृत समायोजन योजना प्रस्तुत की है जिसमें विद्युत उपकरणों के आधुनिकीकरण द्वारा विद्युत की बचत, बेहतर विनिर्माण पद्धतियों का उपयोग, प्रबंधन पद्धतियों में सुधार, सभी स्तरों पर सूचना प्रौद्योगिकी तथा सूचना प्रौद्योगिकी समर्थित सेवाओं का प्रतिदिन प्रबंधन में संवर्धित उपयोग, प्रशासनिक व्यय में कमी, प्रभावी मालसूची प्रबंधन, विद्युत उत्पादन में वृद्धि, विक्रेता विकास एवं क्षमता विस्तार के अलावा आर एण्ड डी प्रयास शामिल हैं।

IX. सार्वजनिक हित- उद्योग लाखों लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार उत्पन्न करता है। यह उद्योग ग्रामीण भारत में कृषक समुदाय से व्यापार की दृष्टि से संबद्ध है। मुख्य कच्ची सामग्री लकड़ी की लुग्दी है और अधिकांश प्रमुख औद्योगिक प्रतिस्पर्धियों ने सतत फार्म एवं अपने-अपने राज्यों में सामाजिक वानिकी तैयार कर ली है। कई वर्षों से आर एण्ड डी द्वारा विकसित उच्च पैदावार वाले खिलौनों का वितरण छोटे एवं मझोले किसानों में किया जाता है जिससे उन्हें अपनी बंजर एवं शुष्क भूमि में पौधे लगाने की प्रेरणा मिलती है जिसकी वजह से ग्रामीण कृषक समुदाय के लिए रोजगार का सृजन होता है और किसानों को सतत आय भी प्राप्त होती है। हरित क्षेत्र में वृद्धि के उपर्युक्त लाभों के अलावा इस प्रयास से तत्स्थानी आद्रता संरक्षण, भूजल की पुनः भराई तथा हवा एवं जल के क्षरण के कारण अत्यधिक मृदा अपरदन में पर्याप्त कमी में प्रत्यक्ष योगदान मिलता है। बहु-प्रजातीय बागानों से लीफ लिटर एवं काष्ठीय अंतरफसलों के संवर्धन के परिणामस्वरूप निर्जीव मृदा में लगातार सुधार होता है। अतः यह सार्वजनिक हित में है कि पेपर उद्योग को बंद न किया जाए।

X. आपात परिस्थितियाँ : वर्ष 2008-09 के दौरान घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आयातों के बाजार हिस्से में तेजी से वृद्धि होने के कारण आई है। वर्ष 2008-09 के प्रथम नौ माह की हाल की अवधि में आयातों में यह प्रवृत्ति जारी रहने पर घरेलू उद्योग को भरपाई न होने वाली क्षति होगी। घरेलू उत्पादकों का क्षमता उपयोग आगे और कम हो जाने की संभावना है। यदि रक्षोपाय तुरंत लागू नहीं किए जाते हैं तो घरेलू उद्योग की लाभप्रदता पहले से ही काफी कम है जिससे वह बाजार हिस्सा पुनः प्राप्त करने में अक्षम है। लगाई गई पूँजी पर आय भी काफी कम है। तदनुसार, प्रारंभिक निर्धारणों से यह पता चलता है कि आपात परिस्थितियाँ मौजूद हैं जिनमें अनंतिम रक्षोपाय शुल्क लगाए जाने में होने वाले किसी विलंब से ऐसी क्षति होगी जिसकी भरपाई करना कठिन होगा।

XI. अन्य मुद्दे : घरेलू उत्पादकों, प्रयोक्ताओं, आयातकों और अन्य आर्थिक प्रचालकों के हितों की अनंतिम जांच से यह पता चलता है कि घरेलू उत्पादकों के पास प्रौद्योगिकी रूप से प्रतिस्पर्धी संयंत्र, प्रशिक्षित जनशक्ति है और उनके पास उत्पादकता का उच्च स्तर है और वे अपने ग्राहकों के गुणवत्ता एवं सेवा संबंधी सरोकार को पूरा करने में समर्थ रहे हैं। अनंतिम शुल्क लगाए जाने में किसी प्रकार के विलंब से उनकी व्यवहार्यता पर गंभीर असर पड़ेगा। यह विवेकपूर्ण है कि सभी के हित में स्वस्थ और प्रतिस्पर्धी उद्योग कायम रखा जाए। यह स्पष्ट है कि यदि कोई उपाय नहीं किया जाता है तो घरेलू उत्पादकों की कीमतों और बाजार हिस्से दोनों में आगे और कमी आएगी जिससे मालसूची में वृद्धि होगी, उत्पादन में गिरावट आएगी, वित्तीय घाटा बढ़ेगा और रोजगार की हानि होगी।

XII. विकासशील देश : ये आयात इंडोनेशिया, सिंगापुर और चीन से हुए हैं जिनका हिस्सा निम्नलिखित तालिका के अनुसार 3% से अधिक बनता है। अन्य सभी विकासशील देशों से उत्पाद का निर्यात भारत को हुए निर्यातों के 9% से अधिक नहीं बनता है। तदनुसार, इंडोनेशिया, सिंगापुर तथा चीन जन जन. गण. को छोड़कर 14.12.1998 की अधिसूचना सं. 103/98-सी.शु.

(यथासंशोधित) द्वारा अधिसूचित सभी विकासशील देशों से एक्रिलिक फाइबर के आयातों पर रक्षोपाय शुल्क नहीं लगाया जा सकता।

तालिका 5

2008-09 (अप्रैल-दिस.) में हुए कुल आयातों में % हिस्सा	
इंडोनेशिया	28.7
सिंगापुर	9.1
चीन	3.2

XIII. निष्कर्ष एवं सिफारिश : उपर्युक्त प्रारंभिक जांच परिणामों के आधार पर यह देखा जाता है कि अनकोटेड पेपर तथा कॉपी पेपर के संवर्धित आयातों से अनकोटेड पेपर तथा कॉपी पेपर के घरेलू उत्पादकों को गंभीर क्षति हुई है। आपात परिस्थितियाँ, जिनमें रक्षोपाय लागू किए जाने में किसी विलंब से ऐसी क्षति होगी जिसकी भरपाई करना कठिन होगा, विद्यमान हैं जिनके तहत गंभीर क्षति तथा गंभीर क्षति के खतरे का अंतिम निर्धारण होने तक 200 दिन की अवधि के लिए अनंतिम रक्षोपाय शुल्क तुरंत लागू करना जरूरी है। घरेलू उत्पादकों द्वारा अनकोटेड पेपर तथा कॉपी पेपर के उत्पादन की औसत लागत (गोपनीय), लगाई गई पूंजी पर उचित आय, पाटनरोधी शुल्क के वर्तमान स्तर तथा अनकोटेड पेपर तथा कॉपी पेपर की औसत आयात कीमतों पर विचार करते हुए घरेलू उद्योग के हित की सुरक्षा करने के लिए भारत में सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 की अनुसूची 1 के अंतर्गत 4802 54 90, 4802 55 10, 4802 55 20, 4802 55 30, 4802 5540, 4802 55 50, 4802 55 90, 4802 5610, 4802 5620, 4802 5630, 4802 5640, 4802 56 50, 4802 5690, 4802 57 10, 4802 57 20, 4802 57 30, 4802 5740, 4802 57 50, 4802 5790, 4802 58 10, 4802 58 20, 4802 58 30, 4802 58 40 तथा 4802 58 90 के अंतर्गत वर्गीकृत अनकोटेड पेपर तथा कॉपी पेपर के आयातों पर मूल्यानुसार 20% (बीस प्रतिशत) की दर से रक्षोपाय शुल्क को न्यूनतम रूप से अपेक्षित माना जाता है।

क. आगे की प्रक्रिया : अंतिम निर्धारण करने से पूर्व यथासमय सार्वजनिक सुनवाई आयोजित की जाएगी जिसकी तारीख के बारे में अलग से सूचना दी जाएगी।

ख. अन्तिम निष्पत्ति के पूर्व यथासमय सार्वजनिक सुनवाई का आयोजन किया जायेगा जिसकी तिथि की सूचना अलग से दी जायेगी।

ग. सम्बद्ध पक्ष दिनांक 25.05.2009 के पूर्व प्रारम्भिक जाँच के विषय में अपने विचार महानिदेशक के समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं।

[फा. सं. डी-22011/27/2009]

एस. एस. राणा, महानिदेशक

DIRECTORATE GENERAL OF SAFEGUARDS, CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE**NOTIFICATION**

New Delhi, the 24th April, 2009

Subject : Safeguard investigation concerning imports of Uncoated Paper and Copy Paper—Preliminary findings.

G.S.R. 286(E).—Having regard to the Custom Tariff Act, 1975 and the Custom Tariff (Identification and Assessment of Safeguard Duty) Rules, 1997 thereof.

1. Procedure

- i. The notice of initiation of safeguards investigation concerning imports of Uncoated Paper and Copy Paper into India was issued on 20th April 2009 and was published in the Gazette of India, Extraordinary on the same day. A copy of the notice was also sent to all known interested parties as under:-

Domestic Producers Association

- I. Indian Paper Manufacturers Association
PHD House, (4th floor),
4/2 Siri Institutional Area,
(Opp. Asian Games Village),
New Delhi-110 016

Domestic Producers

- I. Ballarpur Industries Limited.
First India Place, Tower C,
Mehrauli Gurgaon Road,
Gurgaon (Haryana) - 122001
- II. JK Paper Limited
Nehru House, 4 Bafadur Shah Zafar Marg,
New Delhi-110 002
- III. ITC Limited
106, Sardar Patel Road,
Secunderabad - 500003,
Andhra Pradesh.

- IV. M/s The Andhra Paper Mills Ltd.
501-509, Swapanlok Complex,
92/93, Sarojinidevi Road,
Secunderabad-500 003
- V. M/s Tamil Nadu Newsprint and Papers Limited
67, Mount Road,
Guindy,
Chennai-600 032
- VI. Abhishek Industries Ltd.,
E 212, Kitchlu Nagar,
Ludhiana - 141 001,
Punjab.
- VII. Century Pulp & Paper,
Century Pulp & Paper
Ghanshyamdham, P.O. Lalkua - 262 402.
Distt. Nainital, Uttaranchal
- VIII. Emami Paper Mills Ltd.,
Emami Paper Mills Ltd.
687 Anandapur e.m. bypass,
Kolkata - 700 107.
- IX. Hindustan Paper Corporation Ltd.
75-C, Park Street,
Kolkata - 700 016.
- X. Khanna Paper Mills Ltd.,
Fatehgarh Road,
Amritsar - 143 001.
- XI. The Mysore Paper Mills Ltd.
16/4 Ali Asker Road,
P.B. No. 112,
Bangalore - 560 052.
- XII. Orient Paper & Industries Ltd.,
Birla Building
9/1, R.N. Mukherjee Road,
Kolkata - 700 001.

- XIII. Pudumjee Pulp & Paper Mills Ltd.,
Jatia Chambers,
60, Dr. V.B. Gandhi Marg,
Mumbai - 400 023.
- XIV. Rama Newsprint and Papers Ltd.,
31, Chowringhee Road,
Kolkata - 700 016.
- XV. Seshasayee paper and paper Board Ltd.
Cauvery R S P O
Erode - 638 007.
Tamil Nadu
- XVI. The Sirpur Paper Mills Ltd.,
UCO Bank Building (3rd Floor)
Parliament Street,
New Delhi - 110 001.
- XVII. Star Paper Mills Ltd.,
Seth Baldeodas Bajoria Road,
Saharanpur,
Uttar Pradesh - 247 001.
- XVIII. The west Coast Paper Mills Ltd.
31, Chowringhee Road,
Kolkata - 700 016.
- XIX. Yash Paper Mills Ltd
P.O. Darshannagar,
Distt. Faizabad - 224 135
Uttar Pradesh.

Importers and Users

- I Chimanlal Fein Paper Pvt. Ltd:
40/42, Bombay Mutual Building
293, Dr. D.N. Road Mumbai
- II Infinity INdutries Pvt. Ltd:
Haroon House, 1st Floor,
294, Parin Nariman Street,
Opp RBI Mumbai

19924709-3

- III Paper Plus Technologies (P) Ltd:
Sn. 592/2/11, Handewali Road,
Bhosala Farm, Devachi Urali,
Pune
- IV Akshay Impex:
7, Nyniappa Naicken Street,
Second Floor,
Chennai - 600003,
Tamil Nadu
- V Amit Impex: New no. 17,
Old no.9, Narayana Mudali Lane,
Chennai - 600079
- VI Papers World Wide (India) services Private Limited:
18, Sadullah Street, Flat A,
Prabhu Apartments,
T. Nagar, Chennai,
Tamil Nadu - 600017
- VII Ajanta Offset and Packaging Limited:
Plot no. 61, sector 27- C,
Faridabad,
Haryana - 121003
- VIII Aero Exports:
Plot no. 183, Sector IV,
Manesar, Gurgaon, Haryana,
F-80, Khanpur Extension,
Delhi.
- IX Repro India Limited:
A-50/2, TTC Industrial Area,
MIDC Mahapa,
New Bombay - 400709
- X Printhouse (India) Pvt. Ltd
6, Datta Mandir Road
Bhandup (West), Mumbai

Exporters & Foreign Producers

- I. APRIL fine paper trading,
Jalan Teluk betung No. 31,
Jakarta,
Indonesia
- II. Advance Agro,
187/3 Moo 1, Bangna-Trad km.42 Road,
Bangwua District,
Amphur Bangpakong,
Chachoengsao, 24180
Thailand
- III. Stora Enso Oyj P.O. Box 309,
FI-00101 Helsinki,
Finland
- IV. Sinar Mass Group -APP China
Sinar -Mass Paper (China) Investment Co., Ltd.
8-9F, Bund Centre, No. 222,
East Yan'an Road,
Shanghai, 2000002
- V. Gold East Trading (HONGKONG) Co Ltd,
Unit 501-504A,
Empire Centre
68 Mody Road,
T SimshaTsui East
Hongkong
- VI. Kowa Company Ltd,
6-29 Nishiki 3- Chome Naka-Ku Nagoya,
Japan
- VII. Vital Solutions pte Ltd,
Singapore 069532
- VIII. Daiei Paper (S.A.) Pte Ltd,
3. Shenton way, # 11-08,
Shenton House
Singapore

IX. Cellmark asia Pte Ltd,
47 Scotts road
12-01 Goldbell Towers,
Singapore

X. International Paper,
6400 Poplar Avenue,
Memphis 38197,
USA.

XI. West Waco,
11013 West Broad street,
Glen Allen,
Virginia 23060,
USA.

XII. M-real corporation,
PO Box 20,
Metsa 02020,
Finland.

- ii. A copy of the notice was also sent to Governments of exporting countries through their Embassies in New Delhi.
- iii. Questionnaires were also sent, on the same day, to all known domestic producers, exporters and importers and they were asked to submit their response within 30 days.
- iv. All non confidential versions of the application, response and additional submissions have been kept in the Public Folder.

2. View of the Domestic Industry

- i. The application has been filed by Indian Paper Manufacturers Association, on behalf of (1) ITC Limited (2) Ballarpur Industries Limited, (3) JK Paper Limited, (4) M/s The Andhra Paper Mills Ltd, (5) M/s Tamil Nadu Newsprint and Papers Limited, (6) Abhishek Industries Ltd., (7) Century Pulp & Paper, (8) Emami Paper Mills Ltd., (9) Hindustan Paper Corporation Ltd. (10) Khanna Paper Mills Ltd., (11) The Mysore Paper Mills Ltd. (12) Orient Paper & Industries Ltd., (13) Pudumjee Pulp & Paper Mills Ltd., (14) Rama Newsprint and Papers Ltd., (15) Seshasayee paper and paper Board Ltd. (16) The Sirpur Paper Mills Ltd., (17) Star Paper Mills Ltd., (18) The west Coast Paper Mills Ltd. and (19) Yash Paper Mills Ltd for

imposition of Safeguard Duty on imports of Uncoated paper and copy paper made primarily from virgin chemical pulp into India to protect the domestic producers of Uncoated paper and copy paper against threat of serious injury caused by the increased imports of Uncoated paper and copy paper made primarily from virgin chemical pulp into India. The applicants have made following major points:-

- ii. The applicants have alleged that the trend of increased imports of Uncoated paper and copy paper into India have caused a threat of serious injury to domestic industry.
- iii. The domestic industries manufacture Uncoated paper and copy paper made primarily from virgin chemical pulp falling under various headings of chapter heading 4802. The domestic industry has submitted that their products are directly competing products with imported products falling under 4802 54 90, 4802 55 10, 4802 55 20, 4802 55 30, 4802 5540, 4802 55 50, 4802 55 90, 4802 5610, 4802 5620, 4802 5630, 4802 5640, 4802 56 50, 4802 5690, 4802 57 10, 4802 57 20, 4802 57 30, 4802 5740, 4802 57 50, 4802 5790, 4802 58 10, 4802 58 20, 4802 58 30, 4802 58 40, and 4802 58 90 of HSN as well as Customs Tariff Act, 1975. The applicants have alleged threat of serious injury caused to the domestic producer by the increased imports of Uncoated paper and copy paper made primarily from virgin chemical pulp into India and falling under above headings at eight digit level.
- iv. Papers are made using pulp obtained by chemical or mechanical process or a combination of both. Further the pulp can be obtained either using fresh plant sources or from recycled paper. The present application covers Uncoated Paper and copy Paper primarily made with virgin pulp using chemical process. The domestic industry has argued that the products falling under the headings mentioned above at eight digit level are similar as far as their technical characteristics, chemical composition and other basic features are concerned. The products of all these headings find similar uses. Therefore these products are like and directly competing products. Despite possible minor superficial differences, in terms of quality, these products have the similar basic physical characteristics and similar end uses. These are sold via similar or identical sales channel. These products compete mainly on price. Imposition of safeguard duty on one heading at eight digit level in isolation will not serve any purpose as importers will start importing other directly competing products. Thus the domestic industry has argued that in view of above, for the purposes of safeguard investigation the product basket consisting of products mentioned above needs to be considered as the 'product under consideration'.
- v. They have alleged that surge in imports are taking place at lower prices making them lose their market share.

- vi. The increased imports at lower prices are on account of unforeseen developments as mentioned below:

Fall in demand in exporting countries has forced manufacturers in those countries to get rid of their surplus inventories through excessive discounts of export and this is a cause for sudden increase in imports. The major players have very small domestic demand compared to their respective production capacities. The far East paper producers created huge capacity of uncoated paper and copy paper. Out of this capacity major portion was meant for developed countries. On account of sudden decline in demand in developed countries, the importers of developed countries stopped buying paper from these countries which resulted into huge stock built up with the companies of Exporting Countries. The result is that these units are left with piled stock of uncoated paper and copy paper which they are trying to export at lower prices to India, which is still growing at a fair rate of growth. As a result they started exporting the product into Indian market at a reduced price to release working capital from the huge stock built up, which is causing threat of serious injury to domestic industry.

- vii. The Profitability and return on capital employed of domestic industry has gone down. The difference in landed price of imports and domestic selling price has gone up during the period of investigation and has caused threat of serious injury.
- viii. They have requested for imposition of Safeguard duty to protect the domestic producers of uncoated paper and copy paper against serious injury in view of current threat of serious injury caused by the increased imports.
- ix. They have alleged that unforeseen developments are causing increased imports and increased imports have caused threat of serious injury. There is no other factor which has perceptible bearing on the threat of serious injury faced by the domestic producer.
- x. The applicants submit that the imposition of safeguard duty on uncoated paper and copy paper shall not cause harm to public interest as prices of domestic uncoated paper and copy paper are more or less stable in India. Further the applicants have submitted that apart from direct employment to their employees paper industry provides support to farmers in earning their livelihood and are instrumental in soil conservation. Therefore imposition of safeguard duty for protecting paper industry will be really in public interest.
- xi. Applicants' proposes to adopt an appropriate strategy to improve upon efficiency and to bring cost effectiveness to compete with the international players.

- xii. They have also requested for imposition of provisional Safeguard duty in light of critical circumstances, leading to damage which would be difficult to repair.

3. Findings of D.G.

- i. The issue to impose immediate safeguard measures is examined. It has been found that a total of 168 Safeguard Initiations have been reported to the WTO during the period between 29.03.1995 and 12.11.2008. It is observed that in several of these cases provisional safeguard measures have been recommended/ imposed immediately after initiation of the safeguard investigation. In several cases the provisional safeguard measures have been recommended on the same day as the date of initiation of the investigation. The Rule 9 of Customs Tariff (Identification And Assessment of Safeguard Duty) Rules, 1997 notified vide Notification No. 35/97-NT-Customs dated 29.07.1997 prescribes that the Director General shall proceed expeditiously with the conduct of the investigation and in critical circumstances, he may record a preliminary finding regarding serious injury or threat of serious injury. The principles governing investigations have been provided in the Rule 6 of the Customs Tariff (Identification and Assessment of Safeguard Duty) Rules, which is independent to Rule 9. The Rule 15 of the Customs Tariff (Identification And Assessment of Safeguard Duty) Rules provide for refund of differential Safeguard duty in case safeguard duty imposed after conclusions of the investigations is lower than the provisional duty already imposed and collected. The harmonious reading of Rules 6,9 and 15 of the said Rules leads to a conclusion that the Rules provide for expeditious recommendation of provisional Safeguard duty based on preliminary findings and refund of the differential duty in case it is ascertained that the duty imposed after conclusion of investigation following natural justice as enshrined in the Rule 6 is lower than the provisional Safeguard Duty. However, in critical circumstances any delay in imposition of provisional Safeguard duty may cause damage which would be difficult to repair. Accordingly, it was considered prudent to analyze circumstances to assess whether the same falls in the category of critical circumstances.
- ii. **The product under investigation**
 - a. The applicants have alleged that increased imports of Uncoated paper and copy paper into India have caused threat of serious injury to domestic industry. The domestic industries manufacture Uncoated paper and copy paper made primarily from virgin chemical pulp falling under various headings of chapter heading 4802. The domestic industry has submitted that their products are directly competing products with imported products falling under 4802 54 90, 4802 55 10, 4802 55 20, 4802 55 30, 4802 5540, 4802 55 50, 4802 55 90, 4802 5610,

4802 5620, 4802 5630, 4802 5640, 4802 56 50, 4802 5690, 4802 57 10, 4802 57 20, 4802 57 30, 4802 5740, 4802 57 50, 4802 5790, 4802 58 10, 4802 58 20, 4802 58 30, 4802 58 40, and 4802 58 90 of HSN as well as Customs Tariff Act, 1975. The applicants have alleged threat of serious injury caused to the domestic producer by the increased imports of Uncoated paper and copy paper made primarily from virgin chemical pulp into India and falling under above headings at eight digit level.

- b. Papers are made using pulp obtained by chemical or mechanical process or a combination of both. Further the pulp can be obtained either using fresh plant sources or from recycled paper. The present application covers Uncoated Paper and copy Paper primarily made with virgin pulp using chemical process. The domestic industry has argued that the products falling under the headings mentioned above at eight digit level are similar as far as their technical characteristics, chemical composition and other basic features are concerned. The products of all these headings find similar uses. Therefore these products are like and directly competing products. Despite possible minor superficial differences, in terms of quality, these products have the similar basic physical characteristics and similar end uses. These are sold via similar or identical sales channel. These products compete mainly on price. Imposition of safeguard duty on one heading at eight digit level in isolation will not serve any purpose as importers will start importing other directly competing products. Thus the domestic industry has argued that in view of above, for the purposes of safeguard investigation the product basket consisting of products mentioned above needs to be considered as the 'product under consideration'.
 - c. The products falling under these headings at eight digit level are similar as far as their technical characteristics, chemical composition and other basic features are concerned. The products of all these headings find similar uses in printing industry. These products are technically and commercially like and directly competing products. Despite possible minor superficial differences, in terms of quality, these products have the similar basic physical characteristics and the similar end uses. These are sold via similar or identical sales channel. These products compete mainly on price. Imposition of safeguard duty on one heading at eight digit level in isolation will not serve any purpose as importers will start importing other directly competing products. The domestic industry manufactures all the products in question. In view of above, for the purposes of safeguard investigation the product basket consisting of uncoated paper and copy paper consisting of the product mentioned above needs to be considered as the 'product under consideration'.
- iii. **Domestic Industry** - The application has been filed by Indian Paper Manufacturers Association, on behalf of (1) ITC Limited (2) Ballarpur Industries

Limited, (3) JK Paper Limited, (4) M/s The Andhra Paper Mills Ltd, (5) M/s Tamil Nadu Newsprint and Papers Limited, (6) Abhishek Industries Ltd., (7) Century Pulp & Paper, (8) Emami Paper Mills Ltd., (9) Hindustan Paper Corporation Ltd. (10) Khanna Paper Mills Ltd., (11) The Mysore Paper Mills Ltd. (12) Orient Paper & Industries Ltd., (13) Pudumjee Pulp & Paper Mills Ltd., (14) Rama Newsprint and Papers Ltd., (15) Seshasayee paper and paper Board Ltd. (16) The Sirpur Paper Mills Ltd., (17) Star Paper Mills Ltd., (18) The west Coast Paper Mills Ltd. and (19) Yash Paper Mills Ltd - on behalf of domestic producers of Uncoated Paper and copy Paper made primarily from virgin chemical pulp for imposition of Safeguard Duty on imports. The application has been supported by more than 80% of domestic producers of Uncoated Paper and copy Paper made from virgin pulp in India. Accordingly, the applicants constitute domestic industry in terms of clause (b) of subsection (6) of Section 8B of the Customs Tariff Act, 1975.

- iv. **Unforeseen Developments:** As a result of current unforeseen and unexpected economic melt down and recession, some of the countries are faced with fall in export to their normal markets, idling of production capacities in those countries. Exporters of these countries are resorting to export of their products in increased quantities at low prices to Indian market, which still continues to enjoy growth.
- v. **Increased Imports -** Uncoated paper and copy paper is imported into India from Indonesia, Sweden, Germany, Finland and many other countries. The imports of uncoated paper and copy paper have shown an increasing trend in absolute terms as well as compared to the domestic sales. The share of imports during the period of investigation is as under

Table 1

	2006-07	2007-08	2008-09 (Apr-Dec 2008)	2008-09 (Jan-March 09) (Estimate)
Imports (MT)	11077.00	17016.00	13504.00	5631.00
Monthly imports (MT)	923.08	1,418.00	1,500.44	1,877.00
Monthly imports (indexed)	100.00	153.62	162.55	203.34

The imports of uncoated paper and copy paper have thus increased in absolute terms as well as in relative terms. Further there is a sharp and sudden increase in imports in January - March 2009 during which the monthly average import figure has doubled to 1877 MT from monthly average figure of 923.08 MT of 2006-07 as can be seen from monthly import figures above. There is a growth in imports of 62.5% in April to Dec 2008 as compared to 2006-07. During Jan-March 2009 there is a further growth of 25% when compared with first nine months of

2008-09 posing a threat of serious injury. The index of monthly imports also shows the doubling of imports.

vi. Threat of serious injury --

- a. Sales: The share of domestic sales of the product under investigation has seen decline during the year 2008-09 compared to the preceding year as apparent from the Table below.

Table: 2

Market share in total consumption				
	2006-07	2007-08	2008-09 (Apr-Dec 2008)	2008-09 (Jan-March 09) (Estimate)
Imports (%)	0.63	0.93	0.90	1.13
Domestic sales (%)	99.37	99.07	99.10	98.87

However as discussed in para (d) below the prices of these items has fallen sharply leading to threat of increased imports and consequent threat of serious injury.

- b. **Market Share of domestic Industry:** Market share of domestic industry was 99.37% in 2006-07, which declined to 99.07% during 2007-08. With 1877 MT of import in January 2008, the market share of domestic industry will fall to 98.87% whereas there is a growth in imports in absolute terms as well as in relative terms. The current trend of import prices and imports pose a threat of serious injury to domestic producers.
- c. **Production:** The share of imports in the total available material in domestic market has seen a steep increase in recent period of 2008-09 compared to 2007-08. The share of imports in total available material will go up to 1.11 % compared to 0.89% of previous year.

Table: 3

Share in total available material				
	2006-07	2007-08	2008-09 (Apr-Dec 2008)	2008-09 (Jan-March 09)(Estimate)
Share of imports (%)	0.63	0.93	0.89	1.11
Share of domestic production (%)	99.37	99.07	99.11	98.89

- d. **Trend of Import Prices:** With the continuously falling import prices, the import price to India has shown a steep decline in past six months:

Table: 4

	Weighted Average CIF USD/MT
Sep-08	817
Oct-08	814
Nov-08	768
Dec-08	773
Jan-09	715
Feb-09	680

- e. **Profitability and return on capital employed:** The Profitability and return on capital employed (Confidential) of domestic industry has gone down. The difference in landed price of imports and domestic selling price has gone up during the period of investigation. The return on capital employed in 2007-08 was close to 9% which has fallen by 23% in 2008-09 (April-Dec) compared to 2007-08.
- f. **Productivity:** The preliminary investigation shows no indication to suggest that the injury is on account of loss of productivity.
- vii. **Causal link between increased import and threat of serious injury:** A comprehensive evaluation of parameters as above for the period from 2006-07 up to the financial year 2008-09 demonstrates threat of serious injury and significant impairment of the Indian producers of uncoated paper and copy paper. The figures above show that in 2008-09, Imports in absolute terms as well as Share of Imports has gone up when compared to 2007-08. In the same period when imports have gone up, domestic industry is injured as Share of domestic Industry and Return on Capital employed has gone down. Therefore in the recent period there is a surge in import and as a result of which there is a threat of serious injury to domestic industry. The huge loss of profitability during the current financial year compared to the previous years profit also coincides with significant increase in share of imports. This clearly depicts a direct correlation between the increase in imports at lower prices and threat of serious injury faced by the domestic industry. The increase in imports has had injurious effects in terms of pressure on prices and a reduction in share of the domestic industry in sales and their profitability.

- viii. **Adjustment plan** - The domestic producer has submitted detailed adjustment plan to cut cost, which includes social forestry measures to cut raw material costs, Power saving by modernizing electrical equipments, Use of better manufacturing practices, Improvement in management practices, enhanced use of Information Technology (IT) and IT enabled services in every day management at all the levels, Reduction of administrative expenses, Effective Inventory Management, increasing power generation, vendor development and R&D efforts apart from capacity expansion.
- ix. **Public Interest:** The industry generates employment to lakhs of people directly and indirectly. The industry is backward linked to the farmers' community in rural India. The main raw material is pulpwood and most of the leading industry players have developed sustainable farm and social forestry in their respective States. High yielding clones developed by R&D over several years are distributed to the small and medium farmers encouraging them to plant them in their waste and dry lands, which generates rural employment to the rural farming community and also sustainable income to the farmers. Apart from the obvious benefits of increasing the green cover, this effort also directly contributes to in-situ moisture conservation, ground water recharge and significant reduction in top soil losses due to wind and water erosion. As a result of the leaf litter from multi-species plantations and the promotion of leguminous intercrops, depleted soils are constantly enriched. Therefore it is in the larger public interest that paper industry must not be closed.
- x. **Critical Circumstances:** This is a case of threat of serious injury. The market share of imports is increasing rapidly at the cost of losing share of domestic industries in 2008-09. The trend of imports in the recent period of 2008-09, if continues will cause irreparable damage to domestic industry. The capacity utilization of domestic producers is likely to go down substantially if safeguard measures are not taken immediately. The profitability of domestic industry has already declined incapacitating them to regain market share, if immediate safeguard measures are not taken. The return on capital employed has also fallen significantly. Accordingly, the preliminary determination shows that critical circumstances exist in which delay in imposing provisional safeguard duty cause would damage which it would be difficult to repair.
- xi. **Other Issues:** The provisional examination of the interests of the domestic producers, users, importers and other economic operators indicate that the domestic producers have technologically competitive plants, trained manpower and enjoyed high level of productivity and are able to meet quality and service

concern of their customers. Any delay in imposition of provisional safeguard duty would seriously jeopardize their viability. It is prudent to have a healthy and competitive industry in the interest of all. It is apparent that if no safeguard measures are taken, both the prices and the market share of the domestic producers will further deteriorate resulting in increased inventories reduced production, increased losses and loss of employment.

- xii. **Developing Nations:** There have been imports from Indonesia, Singapore and China, which are more than 3% as shown below. Imports of the product from all other developing countries taken together do not contribute more than 9% of imports to India. Accordingly, imports of uncoated paper and copy paper from all developing nations as notified vide Notification No. 103/98-Cus dated 14.12.1998 (as amended) except Indonesia, Singapore and China PR may not attract safeguard duty.

Table 5

	% share in
	total imports in 2008-09 (Apr-Dec)
INDONESIA	28.7
SINGAPORE	9.1
CHINA PR	3.2

xiii. **Conclusion and Recommendation:**

On the basis of the above preliminary findings it is seen that increased imports of uncoated paper and copy paper have caused threat of serious injury to domestic producers of uncoated paper and copy paper. There exist critical circumstances, where any delay in application for safeguard measures would cause damage which it would be difficult to repair, necessitating immediate application of provisional safeguard duty for a period of 200 days, pending a final determination of threat of serious injury. Considering the average cost of production of uncoated paper and copy paper by the domestic producers (confidential), a reasonable return on capital employed, the interest of the end users, the present level of import duties and the average import prices of uncoated paper and copy paper, **safeguard duty at the rate of 20% (twenty Percent) ad-valorem** is considered to be the minimum required safeguard duty to protect the interest of domestic industry and is recommended to be imposed on imports of "uncoated paper and copy paper primarily made from virgin chemical pulp and classified under sub-heading Nos. 4802 54 90, 4802 55 10, 4802 55 20, 4802 55 30, 4802 5540, 4802 55 50, 4802 55 90, 4802 5610, 4802 5620, 4802 5630, 4802 5640, 4802 56 50, 4802 5690, 4802 57 10, 4802 57 20, 4802 57 30, 4802 5740, 4802 57 50, 4802 5790, 4802 58 10, 4802 58 20, 4802 58 30, 4802 58 40, and 4802 58 90 of Schedule I of the Customs Tariff Act 1975" into India.

xiv. Further Process:

- (a) The information provided by various parties may be subject to verification wherever necessary for which they will be informed separately.
- (b) A public hearing will be held in due course before making a final determination, for which the date will be informed separately.
- (c) Interested parties may make their views known to the DG on this preliminary findings on or before 25.05.2009

[F. No. D-22011/27/2009]

S. S. RANA, Director General